II-TERM EXAMINATION : 2022-23

CLASS - X (ICSE)

HINDI

Time: 3 hrs. M.M.: 80

Note :- Answer to this paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time to be spent in reading the question paper . The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.

Section -A is compulsory. All questions in Section A must be answered. Attempt any four questions from Section-B answering at least one question each from the two books you have studied and any two questions from the same books you have studied.
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ] .

SECTION 'A' [40 Marks]
(Attempt all questions from this section.)

Q.1. Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics :
निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए – [15]

i) पर्यटन या भ्रमण भी शिक्षा का एक भाग है। कोई भी शिक्षा पर्यटन के बिना पूरी नहीं की जा सकती। इससे व्यक्ति को किस–किस प्रकार के अनुभव होते हैं और उनसे वह अपना ज्ञान किस प्रकार बढ़ाता है ? विचार व्यक्त कीजिए।

ii) मानव जीवन में हास्य का महत्वपूर्ण स्थान है। 'हँसो और हँसाते रहो' के सिद्धान्त से अनेक समस्याएँ स्वयं सुलझ जाती हैं। इस कथन को ध्यान में रखकर हँसने के लाभ पर अपने विचार दीजिए।

iii) आपको अपने शहर को साफ तथा सुन्दर बनाने के लिए क्या–क्या करना चाहिए? संक्षिप्त लेख लिखिए।

iv) 'एक मछली सारे तालाब को गंदा कर देती है' कहावत के आधार पर एक मौलिक कहानी लिखिए।

v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए। चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, घटना व कहानी लिखिए जिसका सीधा तथा स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

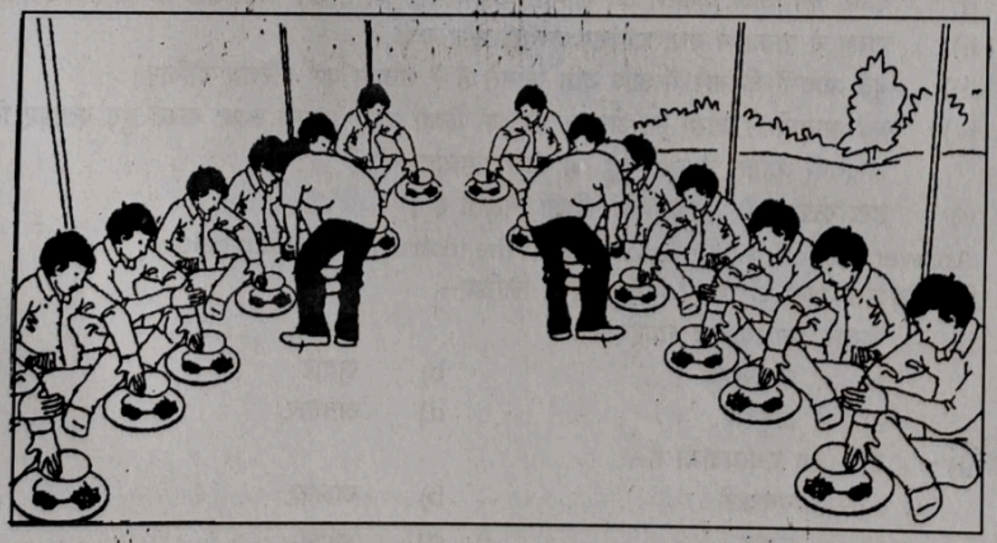

Q.2. Write a letter in Hindi of approximately 120 words on any one of the topics given below :
निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए – [7]

i) विद्यालयी शिक्षा में योग शिक्षा के महत्व पर विचार व्यक्त करते हुए शिक्षा–निदेशक को पत्र लिखिए।

ii) बनाव श्रृंगार में अधिक समय नष्ट न करने की सलाह देते हुए बड़ी बहन की ओर से छोटी बहन को एक पत्र लिखिए।

Q.3. Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own language as for as possible :
निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए–

पंजाब में उस वर्ष भयंकर अकाल पड़ा था। उन दिनों वहाँ महाराणा रणजीत सिंह का राज था। उन्होंने यह घोषणा करवा दी, "महाराज के आदेश से शाही भण्डार–गृह हर जरूरतमंद के लिए खुला है। प्रत्येक जरूरतमंद एक बार में जितना उठा सके, ले जाए।" यह घोषणा सुनते ही गाँवों व शहरों से जरूरतमंदों की भीड़ राजमहल में उमड़ पड़ी।

उन दिनों लाहौर में एक सद्‌गृहस्थ बूढ़े सज्जन रहते थे। वे कट्टर सनातनी विचारों के थे। उन्होंने जीवन में कभी भी किसी के आगे अपना हाथ नहीं फैलाया था। अँधेरा होने पर वह शाही भण्डार के दरवाजे पर पहुँचे। द्वार खुला था किसी तरह की कोई जाँच–पड़ताल नहीं हुई। उन्होंने बड़े संकोच से अपनी चादर को फैलाया, उसके कोने में थोड़ा सा अनाज बाँध लिया। ज़्यादा अनाज उठाना उनके लिए मुश्किल था। इतने में पगड़ी बाँधे एक व्यक्ति वहाँ आया। उसने कहा, "भ्राताजी आपने तो काफ़ी कम अनाज लिया है। बूढ़े सज्जन ने कहा–असल में मैं बूढ़ा लाचार हूँ। इस अकाल में तो थोड़ा अनाज लेना ही सही है, जिससे सब जरूरतमंदों को मिल जाए।"

उस व्यक्ति ने बूढ़े की गठरी खोल दी। उसमें भरपूर अनाज भर दिया। बूढ़े सज्जन ने कहा, "मैं इतना अनाज नहीं उठा सकता और न ही इसकी मजदूरी का पैसा दे सकता हूँ।" इतने में उस अजनबी ने बूढ़े की गठरी अपने कंधों पर ले ली और बूढ़े के पीछे–पीछे चल पड़ा। जब वे बूढ़े के घर के द्वार पर पहुँचे तो वहाँ दो बच्चे उनकी प्रतीक्षा कर रहे थे। उन्हें देखते ही वे बोले–"बाबा, कहाँ चले गए थे।" बूढ़ा खामोश रहा। अजनबी ने कहा, "घर में कोई बड़ा लड़का नहीं है।" बूढ़ा बोला, "लड़का था लेकिन काबुल की लड़ाई में शहीद हो गया। अब बहू है तथा मेरे ये पोते हैं।" वह अजनबी बोला," भाई जी, धन्य हैं आप, जिनका बेटा देश के लिए शहीद हो गया।"

रोशनी में बूढ़े ने उस अजनबी को पहचान लिया। वे खुद महाराज रणजीत सिंह थे। बूढ़े ने पोतों से कहा, इनके सामने दण्डवत् प्रणाम करो।" और स्वयं भी प्रणाम करने लगे और थोड़ी देर बाद बोले," आज मुझसे बड़ा पाप हो गया। आपसे बोझा उठवाया।" "नहीं, यह पाप नहीं, मेरा सौभाग्य था कि मैं शहीद के परिवार की सेवा कर सका। आप सबकी सेवा करना मेरा फर्ज़ है। अब आप जीवन भर हमारे साथ रहिए और हमें कृतार्थ कीजिए।"

i) राज्य को किस विपत्ति का सामना करना पड़ा था ? उन दिनों वहाँ के राजा कौन थे ? [2]

ii) राजा ने राज्य में क्या घोषणा करवाई और क्यों ? [2]

iii) बूढ़े आदमी के बारे में आप क्या जानते हैं ? उनका पूर्ण परिचय दीजिए। [2]

iv) बूढ़े आदमी ने थोड़ा सा अनाज ही क्यों लिया था ? कारण स्पष्ट करते हुए बताइए कि उस अजनबी व्यक्ति ने उस बूढ़े की कैसे सहायता की ? [2]

v) इस गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिलती है ? [2]

Q.4. Answer the following according to the instructions given below :
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए–

i) 'उदार' का विलोम बताइए– [1]

a) उदारता b) सुदार
c) अनुदार d) अनदार

ii) 'मेघ' का पर्यायवाची है– [1]

a) नभचारी b) जलधि
c) पयस d) जलद

iii) 'नृप' की भाववाचक संज्ञा हैं – [1]

a) नृपत्व b) नृपता
c) नृपालु d) नृपाकर

iv) 'वेद' का विशेषण होगा – [1]

a) वेदत्व b) वैदिक
c) विद्वता d) विद्वान

v) 'कवित्री' का शुद्ध रूप होगा– [1]

a) कवींत्री b) कवयित्री
c) कवियत्री d) कवीयात्री

vi) 'छाती पर साँप लोटना' मुहावरे का अर्थ है– [1]

a) बहुत कष्ट होना
b) नींद न आना
c) विचलित होना
d) ईर्ष्या होना

vii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए– [1]

उनका जीवन सुरक्षित था। (नहीं का प्रयोग कीजिए किन्तु अर्थ न बदले)

a) उनका जीवन असुरक्षित नहीं था।
b) उनका जीवन सुरक्षित नहीं था।
c) उनके जीवन में सुरक्षा का अभाव था।
d) सभी सुरक्षित जीवन की कामना करते थे।

viii) निर्देशानुसार उचित वाक्य का चयन कीजिए – [1]

'वाणी की मधुरता सभी को आकर्षित करती है।" (मधुरता के स्थान पर विशेषण का प्रयोग कीजिए)

a) मधुर वाणी सभी को आकर्षित करती है।
b) वाणी की मधुरता सबको प्रिय लगती है।
c) मधुर वाणी में ही वार्तालाप करनी चाहिए।
d) मधुर वाणी से मानव मन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

SECTION 'B' [40 Marks]

(Attempt four questions from this section)

(You must answer at least one question from each of the two books you have studied and any two other questions)

साहित्य सागर (संक्षिप्त कहानियाँ)

Q.5. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए–

"अच्छा, हमारे साथ चल।" वह साथ चल दिया।"

i) उपर्युक्त वाक्य किसने–किससे कहे ? [2]
ii) वक्ता उसे कहाँ किसके पास ले गया ? उसका क्या परिणाम निकला ? [2]
iii) बालक के प्रति किसके मन में क्या आशंका थी ? उन्होंने बालक के साथ कैसा व्यवहार किया ? [3]
iv) बालक का परिचय अपने शब्दों में दीजिए। [3]

Q.6. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए–

"तुझे दुनिया से कोई मतलब नहीं दूसरों से कोई मतलब नहीं, बस चौबीस घण्टे अपने रंग और तूलिकाओं में डूबी रहती हैं दुनिया में कितनी बड़ी घटना घट जाए पर यदि उसमें तेरे चित्र का आइडिया नहीं तो तेरे लिए वह घटना कोई महत्व नहीं रखती।"

i) उपर्युक्त कथन का वक्ता तथा श्रोता कौन है ? उनका आपस में क्या संबंध है ? [2]
ii) यहाँ किस घटना की बात की जा रही है और यह किसके लिए महत्वपूर्ण नहीं है ? [2]
iii) उपर्युक्त घटना किसे प्रभावित करती है और वह इसके लिए क्या–क्या प्रयास करती है ? [3]
iv) दोनों के स्वभाव के विषय में आप क्या जानते हैं ? [3]

Q.7. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए–

"और तब, बूढ़े सियार ने भेड़िए का भी रूप बदला। मस्तक पर तिलक लगाया, गले में कंठी पहनाई और मुँह में घास के तिनके खोंस दिए।

i) बूढ़े सियार ने भेड़िए का रूप क्यों बदला ? [2]
ii) उसने भेड़िए के मुँह में घास के तिनके क्यों खोंसे ? [2]
iii) बूढ़े सियार ने भेड़िए का रूप किस तरह बदलवाया ? [3]
iv) 'भेड़ें और भेड़िए' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। [3]

Q.8. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए–

प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर
भोग सके जो उन्हें जगत में, कहाँ अभी इतने नर ?
सब हो सकते तुष्ट, एक सा, सब सुख पा सकते हैं
चाहे तो पल में धरती को स्वर्ग बना सकते हैं।

i) ईश्वर ने इस धरती पर मनुष्य–के लिए क्या दिया है और कितनी मात्रा में ? [2]
ii) मनुष्य कैसे सुखी तथा सन्तुष्ट हो सकता है ? [2]
iii) प्रस्तुत कविता के द्वारा हमें क्या शिक्षा मिलती है ? [3]
iv) हम धरती को स्वर्ग कैसे बना सकते हैं ? [3]

Q.9. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए–

धर्मराज यह भूमि किसी की
नहीं क्रीत है दासी
है जन्मना समान परस्पर
इसके सभी निवासी
सबको मुक्त प्रकाश चाहिए
सबको मुक्त समीरण
बाधा रहित विकास, मुक्त आशंकाओं से जीवन।

i) प्रस्तुत पंक्तियाँ किसने, किससे तथा किस अवसर पर कही हैं ? [2]
ii) प्रस्तुत कविता कवि की किस रचना से ली गई है ? [2]
iii) इस संसार में सबको क्या–क्या चाहिए और क्यों ? [3]
iv) 'बाधा रहित विकास, मुक्त आशंकाओं से जीवन' पंक्ति की व्याख्या कीजिए। [3]

Q.10. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए–

गुन के गाहक सहस नर, बिन गुन लहै न कोय।
जैसे कागा कोकिला, शब्द सुनै सब कोय।।
शब्द सुनै सब कोय, कोकिला सबै सुहावन।
दोउ को एक रंग, काग सब भये अपावन।।
कह गिरिधर कबिराय, सुनो हो ठाकुर मन के।
बिनु गुन लहैं न कोय, सहस नर गाहक गुन के।।

i) 'गुन' के ग्राहक कौन होते हैं ? [2]
ii) कवि ने अपनी बात स्पष्ट करने के लिए किस तरह का उदाहरण दिया है ? [2]
iii) 'कागा' और 'कोकिला' की समानता एवं असमानता दोनों पर टिप्पणी कीजिए। [3]
iv) निम्न शब्दों के अर्थ बताइए– [3]
सुहावन , सहस , अनबोले, अपावन, लहै, कोय

*****